(b) if so, whether his Ministry ha: approved the proposal;

(c) if so, the directions issued by his Ministry to NMDC; and

(d) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SON TOSH MOHAN DEV): (a) Yes, Sir.

(b) National Mineral Developmeni Corporation Limited (NMDC) had submitted proposals for development of deposits 10/11-A and 11-B in Bailadila, Madhya Pradesh. As regards deposit 10/11-A, the proposal is under consideration! of the Government.

As regards deposit 11-B in Bailadila, Government has approved the proposal.

(c) and (d) Approval of the Government was communicated to NMDC on 13-6-95 to form the joint venture company for development of Bailadila deposit 11-B and take other consequential actions.

Research Institutes under ICAR

1347. SHRI YERRA NARAYANA-SWAMY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of Research Institutes functioning at present under the aegis of ICAR;

(b) whether any periodical review is done of their contributions;

(c) whether it is a fact that practical result oriented research has not been done by the institute under ICAR; and

(d) how does Government propose to improve their functioning?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) There are 46 research Institutes, 4 Research Bureau & 29 National Research Centres functioning under the aegis of ICAR.

(b) Yes, Sir. Quinquinnel Review teams do the review of the performance of these Institutes on their contributions.

(c) No, Sir.

(d) The performance of the Institutes is reviewed by eminent scientists and corrective measures undertaken to improve their functioning regularly. The present mechanism is working very well.

उर्वरकों के बढ़ते मूल्य

1348. **श्री अनन्तराम जायसवाल :** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 21 जून, 1995 के दैनिक "हिन्दुस्तानी" (दिल्ली संस्करण) के मुख्य पृष्ठों पर "खादों के दाम बढ़ने के आसार" तथा "इस फसल में किसानों को खाद शायद ही मिले" शीर्षक से, क्रमशः प्रकाशित समचारों की ओर दिलाया गया है, और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है तथा मानसून से पूर्व या मानसून में खरीफ तथा अन्य फसलों की रक्षा हेतु देश में किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या त्वरित कार्यवाही की गई है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) जी, हां।

(ख) अप्रैल से जुलाई, 1995 की अवधि के दौरान पोषकों के रूप में उर्वरकों का उत्पादन गत वर्ष की समकालीन अवधि की तुलना में नाइट्रोजन के मामले में 9% तथा फास्फेट के मामले में 2% अधिक रहा है। इस अवधि के दौरान रेल द्वारा उर्वरकों का प्रेषण 6.39 मिलियन टन के स्तर से 6.98 मिलियन टन ऊपर हो गया है । तथापि कुछ उर्वरक एककों में वैगनों की उपलब्धता में बाधा के कारण तैयार उर्वरकों के भण्डार के एकत्रीकरण तथा/अथवा उर्वरक इनपुटों के निम्न भण्डार की समस्या अनुभव की गई है । प्रभावी अर्न्तमंत्रालयी समन्वय तथा यातायात आवागमन पद्धति के अनुसार संचालन में उपयुक्त समायोजन के माध्यम से उर्वरक सामग्री के संचलन के लिए वैंगनों की आपूर्ति तथा तैयार उर्वरकों की निकासी को तेज किया गया है। देश में वर्तमान मांग के संदर्भ में उर्वरकों की कुल उपलब्धता संतोषजनक है।